आदम के सामान हम सबने पाप किया:

हमारा पाप हमें दोषी ठहराता है, लज्जा महसूस करवाता है,
और पाप के दासत्व में जकड़ देता है।

जो बच्चों को पढ़ाते हैं वे पढ़े अध्ययन एस 4 ब

प्रार्थना : "प्रभु यीशु मसीह आप मरे कि हम अपने पापों के परिणाम से छुड़ाये जा सके। कृपया हमारी सहायता कीजिये हम अपने पापों की दुष्टता से निकल कर आपके पापों के ऊपर विजय के द्वारा जीवन व्यतीत करें। आमीन।"

इन क्रियायों में से जो भी आपके समुदाय में उचित लगे या आवश्यकता हो चुन ले।

1. अपने आप को परमेश्वर के वचन और प्रार्थना द्वारा तैयार करें कि आप अपनी कलीसिया को पाप की दुष्टता के विषय समझा सकें

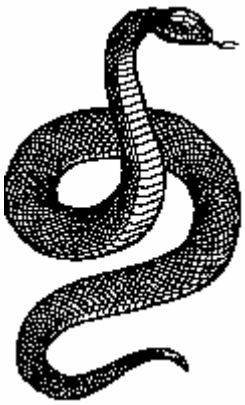

बाईबल सिखाती है कि सब पाप के साथ पैदा होते हैं, सभी पापी हैं, और सबने पाप किया है (1 यहून्ना 1:8-10)

पाप की उत्पत्ति के बारे मे **उत्पत्ति 3:1-9** मे देखें

- हमारे पूर्वजों से शैतान ने क्या पहला झूठ बोला? *(आयतें 4 और 5)*
- परमेश्वर ने कौन सा दण्ड शैतान के विरूद्ध ठहराया? *(आयतें 13-15)*
- हमारे पूर्वजों के विरूद्ध परमेश्वर ने कौन सा दण्ड ठहराया *(आयतें 16-19)*

भजन संहिता 51:1-5 में देखें राजा दाऊद ने अपने पाप के विरूद्ध क्या कहा

- उसने अपनी कौन सी आवश्यकता को पहचाना *(आयतें 1 और 2)*
- उसने अपने पाप के विषय क्या कहा? *(आयत 3)*
- उसने किसके विरोध में पाप किया? *(आयत 4)*
- वह कब पापी बना? *(आयत 5-7)*

इब्रानियों 12:1-4 में देखें कि हमारा पाप कितना भयानक है

- हम विश्वासियों के लिए पाप करना कितना उचित है? *(आयत 1)*
- यीशु मसीह ने क्रूस पर क्या सहन किया हमारे पापों के कारण *(आयत 2)*
- दूसरे पापियों के कारण हमारा क्या होता है *(आयत 3)*
- हम सब क्यों कभी कभी पाप के अधीन हो जाते हैं? *(आयत 4)*

हमारे पाप तीन प्रकार के भयानक परिणाम हैं अपराध लज्जा और दासत्व

1) **अपराध** हम सब परमेश्वर से सम्मुख अपराधी हैं।

- एक अपराधी के समान जिसका मुकदमा न्यायालय में चल रहा हो और न्यायाधिश ने उसके विरूद्ध निर्णय दे दिया हो उसी प्रकार परमेश्वर के सम्मुख हमें भी अपने पापों का ब्यौरा देना है।

- भाग्यवश यीशु मसीह ने हमारे पापों को अपने ऊपर लेकर क्रूस पर चढ़कर मृत्यु को प्राप्त किया, हमारे बदले। उसी प्रकार परमेश्वर भी उन सबके पापों को जो यीशु पर विश्वास रखते हैं क्षमा करता है।

2) लज्जा हमें परमेश्वर के सम्मुख लज्जित होना पड़ेगा।

- उसी एक मनुष्य के समान जो ऐसा कार्य जो लज्जा जनक हो करते हुये पकड़ा गया, उसी प्रकार हम मनुष्य भी बहुत लज्जित होगें परमेश्वर के सम्मुख जब वह हमारे सारे पापों को हमारे सामने दिखायेगा अन्तिम न्याय के समय।
- लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो प्रभु यीशु ने हमारे बदले लोगों के सामने लज्जा को सहा जिसके द्वारा जब वह दुबारा आयें हमें लज्जित न होना पड़े।

3) दासत्व पापों में पड़कर हम उसके दासत्व में जकड़ जाते हैं।

- उस एक शराबी के समान जो शराब पीना बन्द नहीं करता और उसका परिवार उसके पीने की आदत से नष्ट हो जाता है, हम सब भी इन पापयुक्त व्यसनों के आदी हो जाते हैं जैसे शराब मादक पदार्थ जादू झूठे ईश्वर अनैतिक क्रियायें और नियम विरूद्ध सम्बन्ध।
- पर परमेश्वर की तारीफ हो। जब यीशु मसीह क्रूस पर हम सबके लिये मरे, उन्होंने सभी शक्तियों को नष्ट किया और उनके दासत्व से हम सब को छुड़ाया।

2. अपने सह कर्मियों के साथ मिलकर आने वाले सप्ताह में होने वाली क्रियायों की योजना बनायें।

इकठ्ठे मिलकर वार्तालाप करें कि आपकी कलीसिया के किस सदस्य को कौन सी आदत से माफी मिले और छुड़ाया जाये

- कौन से सदस्यों को आवश्यकता है परमेश्वर की क्षमा जो उनके द्वारा किये गये पापों से मिले? जाईये और उनसे मिलिये उनकी सहायता करें कि वे अपने पापों को मान लें, उन्हें प्रभु भोज दें और उनके साथ प्रार्थना करें कि वह क्षमा को जान सकें।
- कौन सा सदस्य अभी भी अपने पुराने जीवन से शर्म महसूस करता है? जाईए और उनसे बात चीत करें, उन्हें समझाएँ किस प्रकार यीशु मसीह उनके लिये लज्जित हुआ) और उनके लिये प्रार्थना करें कि उनकी लज्जा को दूर कर सकें।
- कौन से सदस्य चाहते हैं कि मादक द्रव्यों से छुटकारा मिले? जाईये उनसे बात चीत करें और उनकी सहायता करें कि वे अपनी बुरी आदतों को छोड़ सकें, और लगातार उन पर निगाह रखें और उनको मादक द्रव्यों से मुक्ति मिलें प्रार्थना करें।

  सब सदस्यो की सहायता करें याद करने में **1 यहून्ना 2:28**

3. अपने सह कर्मियों सहित आराधना को सुनियोजित ढंग से चलाने के लिये योजना बनायें।

नाटक द्वारा आदम और हव्वा की कहानी पर आधारित जब वे पाप में गिर जाते हैं दिखायें या बताये, उत्पत्ति 3 बाब में से। भाग 1 में दिये गये प्रश्नों को पूछें।

भाग 1 में दिये गये पाप के विषय में जो दाऊद ने किया था प्रश्न पूछें और समझाएँ।

संक्षिप्त रूप से रोमियों 3:19-23 की सच्चाईयों को समझाएँ, 1 यूहन्ना 5:16-19 और इब्रानियों 12:1-4 जो कुछ भाग 1 में दिये गये हैं वही प्रश्न पूछें।

वे विश्वासी जिन्होंने अभी अभी गन्दी आदतों से या दुष्टआत्माओं से मुक्ति पाई है, गवाहियाँ दें।

बच्चे जो नाटक उन्होंने तैयार किया है प्रस्तुत करें और प्रश्न भी पूछें।

पढ़े या करके दिखायें **प्रेरितों के काम 19:11-20** तब उन्हें समझायें कि किस प्रकार लोग अपने पापों को मान लेते और दुष्टआचरण वालों के दासत्व से छुटकारा पाते थे। इस प्रकार उन्हें क्षमा किया गया अपनी लज्जाजनक बातों से छुटकारा मिला और दुष्टआत्माओं के दासत्व से मुक्ति मिली।

परमेश्वर की मेज़ को आरम्भ करने के लिये पढ़े उत्पत्ति 3:6-10 और 21 आयतें। उनको समझायें कि आदम और हव्वा ने अपनी लज्जा को छिपाने के लिये अंजीरों के पत्ते पहने। परन्तु परमेश्वर ने उन्हें पशुओं की खालो के कपड़े पहनाये क्योंकि हमारा पाप परमेश्वर की दृष्टि से तभी छिप सकते हैं जब किसी निर्दोष का लहू बहाया जाये। पशु बलिदान प्रभु यीशु मसीह के भविष्य को दर्शाता है जिसमें उसे परमेश्वर का मेमना जो सारे जगत के पापों को उठाये लिये जाता है, कहकर दिखाया गया है।

दो या तीन बच्चों को इकठ्ठा करके छोटे समूह बनायें। और वे किसी भी सार्वजनिक पाप को मान लें और एक दूसरे की माफी और रिहाई के लिए प्रार्थना करें।

एक साथ याद करें यशायाह 1:18

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net